

अनुक्रमांक (अंकों में) / Roll No. (in figures) :

अनुक्रमांक (शब्दों में) / Roll No. (in words) :

[कुल प्रश्नों की संख्या : 18] [Total No. of Questions: 18]
[कुल मुद्रित पृष्ठ : 04] [Total No. of Printed Pages : 04]

[समय : 3.15 घंटे] [Time: 3.15 Hours]
[पूर्णांक : 70] [Maximum Marks : 70]



कक्षा 12वीं अर्द्ध वार्षिक परीक्षा, 2025-26
Class 12th Half Yearly Examination, 2025-26
हिन्दी अनिवार्य / HINDI COMPULSORY
[1203]

सामान्य अनुदेश :

- 1) परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
- 2) प्रत्येक प्रश्न के सामने उसका अंक भार अंकित है।

General Instructions :

- 1) Candidate must write his/her Roll Number on the first page of the Question Paper.
- 2) Marks for every question are indicated alongside.

निर्देश :-

- (1) सर्वप्रथम परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र पर अपने अनुक्रमांक लिखें।
- (2) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (3) जिन प्रश्नों में आवंटित खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- (4) उत्तर लिखने के पूर्व प्रश्न का सही क्रमांक लिखें।

प्र.1 सही विकल्प चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

- (1) कर्णाट-राज की प्रिया विज्जिका ने निम्न में से किसे कवि नहीं माना?
(अ) ब्रह्मा को (ब) वाल्मीकि को (स) व्यास को (द) कालिदास को
- (2) शाब्दिक अर्थ में असंभव होते हुए भी नियामक सिद्धान्त है -
(अ) समता (ब) दासता (स) स्वतंत्रता (द) प्रतिष्ठा
- (3) भगतजी बेचते थे -
(अ) जर्दा (ब) घूरन (स) कपड़े (द) मूंगफली
- (4) बालक ललचाया है -
(अ) दर्पण पे (ब) खिलौने पे (स) चोंद पे (द) मिठाई पे
- (5) किसी भी भाषा को जानने के लिए किसका ज्ञान बहुत आवश्यक है?
(अ) लिपि (ब) व्याकरण (स) ध्वनि (द) शब्द
- (6) समाचार लेखन में किस शैली का प्रयोग होता है?
(अ) खोजपरक शैली (ब) उल्टा पिरामिड शैली
(स) व्याख्यात्मक शैली (द) विश्लेषणात्मक शैली
- (7) "मैं पहुँचा तो सरकार मेरी राह देख रहे थे।" यहाँ सरकारी शब्द प्रयुक्त हुआ है -
(अ) नेताजी के लिए (ब) राजा के लिए
(स) मास्टर के लिए (द) दत्ताजी राव के लिए
- (8) भारत में पहला छापाखाना खुला -
(अ) मुम्बई में (ब) दिल्ली में (स) गोवा में (द) बंगलुरु में
- (9) संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आमतौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है -
(अ) बीट (ब) बाइट (स) डेस्क (द) एरिया

- (10) किस शब्द शक्ति में मुख्यार्थ बाधित होता है? (1)
- (अ) अभिधा (ब) लक्षणा (स) व्यंजना (द) रुढ़ा
- (11) जब किसी वर्ण की आवृत्ति एक बार होती है, तो उसे कहते हैं - (1)
- (अ) लाटानुप्रास अलंकार (ब) श्रुत्यानुप्रास अलंकार
- (स) अंत्यानुप्रास अलंकार (द) छेकानुप्रास अलंकार
- (12) रुबाइयों कविता में कवि ने किस भाषा का प्रयोग किया है? (1)
- (अ) ब्रज (ब) अवधी (स) खड़ी बोली (द) फारसी



- प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - (5)
- (1) विचार विनियम के माध्यम को कहते हैं। (1)
- (2) हिन्दी भाषा की लिपि है। (1)
- (3) किसी व्यक्ति के मूल उद्देश्य को प्रकट करने वाली शब्द शक्ति को कहते हैं। (1)
- (4) 'सुवरण को दूँढत फिरै, कवि व्याभिचारी चोर' पंक्ति में अलंकार है। (1)
- (5) रचना के आधार पर शब्द के भेद होते हैं। (1)

- प्र.3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (6)

जिस सौन्दर्य की भावना में मग्न होकर मनुष्य अपनी पृथक् सत्ता की प्रतीति का विसर्जन करता है वह अवश्य एक दिव्य विभूति है। भक्त लोग अपनी उपासना या ध्यान में इसी विभूति का अवलंबन करते हैं। तुलसी और सूर, ऐसे सगुणोपासक भक्त राम और कृष्ण की सौंदर्य-भावना में मग्न होकर ऐसी मंगल-दशा का अनुभव कर गए हैं जिसके सामने कैवल्य या मुक्ति की कामना का कहीं पता नहीं लगता।

कविता केवल वस्तुओं के ही रंग-रूप के सौन्दर्य की छटा नहीं दिखाती प्रत्युत कर्म और मनोवृत्ति के सौन्दर्य के भी अत्यंत मार्मिक दृश्य सामने रखती है। वह जिस प्रकार विकसित कमल, रमणी के मुखमंडल आदि का सौन्दर्य मन में लाती है उसी प्रकार उदारता, वीरता, त्याग, दया, प्रेमोत्कर्ष इत्यादि कर्मों और मनोवृत्तियों का सौन्दर्य भी मन में जमाती है। जिस प्रकार वह शव को जोचते हुए कुत्तों और शृगालों के वीभत्स व्यापार की झलक दिखाती है उसी प्रकार क्रूरों की हिंसावृत्ति और दुष्टों की ईर्ष्या आदि की कुरूपता से भी क्षुब्ध करती है। इस कुरूपता का अवस्थान सौन्दर्य की पूर्ण और स्पष्ट अभिव्यक्ति के लिए ही समझना चाहिए। जिन मनोवृत्तियों को अधिकतर घुरा रूप हम संसार में देखा करते हैं उनका भी सुन्दर रूप कविता दूँढकर दिखाती है। दशवदन-निधनकारी राम के क्रोध के सौन्दर्य पर कौन मोहित न होगा?

- (1) भक्त लोग किस विभूति का अवलंबन करते हैं? (1)
- (2) कविता क्या दृश्य दिखाती है? (1)
- (3) कैवल्य या मुक्ति की कामना का कहीं पता नहीं लगता, क्यों? (1)
- (4) कवि ने किन कर्मों और मनोवृत्तियों का उल्लेख किया है? (1)
- (5) दशवदन का क्या अर्थ है? (1)
- (6) उक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)



प्र.4 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

जीवन की आपाधापी में भागता
संबंधों में स्वयं को तलाशता
दूढ़ते हुए अपने ही अक्स को
जानने को जीवन के पक्ष को
प्रश्न करता मैं स्वयं ही स्व से
कि कौन हूँ मैं?

कसक कोई दिल में दबाए
जज़्बातों पर जब्ती लगाए
थामे हुए आवाज़ों के शोर को
बँधा काल की मर्यादा से
कि मैं मौन हूँ।

फिर भी रचता मैं पदभावों के
गाती गीत में प्रच्छन्न धावों के
अनुभावों को करके शब्दबद्ध
रच अनुराग का संसार सुखद
जोड़ता मनोभावों को भव से
कि कवि हूँ मैं।

- (1) कवि स्वयं से प्रश्न क्यों करता है?
- (2) कवि मौन क्यों है?
- (3) कवि अनुराग का संसार कैसे रचता है?
- (4) कवि स्वयं को कहाँ और क्यों तलाशता है?
- (5) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(5)



निम्नलिखित लघुचरित्रात्मक प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में लिखिए -

- प्र.5 "आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है?" इस प्रश्न में समाज की किस मनोवृत्ति का पता चलता है?
- प्र.6 यशोधर बाबू सारे सेक्शन के इसरार करने पर भी अपनी 'सिल्वर वैडिंग' की दावत में नहीं रुके, क्यों?
- प्र.7 खाना खाते-खाते दादा ने लेखक से क्या वचन लिया?
- प्र.8 सूचनाओं के स्रोत कौन-कौन से हैं?
- प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60-80 शब्दों में लिखिए -
भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है?

(1)
(1)
(1)
(1)
(1)

अथवा

- प्र.10 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लेखक का उद्देश्य लिखिए।
पहलवान की ढोलक कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

(2)
(2)
(2)
(2)

अथवा

- प्र.11 राजनीतिज्ञ पुरुष के व्यवहार के विषय में डॉ. अंबेडकर के क्या विचार हैं?
लक्ष्मण की मूर्च्छा पर राम के प्रलाप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(2½)

अथवा

- प्र.12 'उषा' कविता के काव्य सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
रघुवीर सहाय का कवि परिचय लिखिए।

(2½)

अथवा

- प्र.13 हजारी प्रसाद द्विवेदी का लेखक परिचय लिखिए।
पत्रकारीय लेखन क्या है? पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं? विस्तार से समझाइए।

(2½)

अथवा

- प्र.14 एक अच्छा फीचर कैसे लिखें?
दत्ताजी राव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक आनंद यादव और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा। यदि झूठ का सहारा न लेते तो आगे का घटनाक्रम क्या होता?

(2½)

अथवा

कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक आनंद यादव की धारणा में क्या बदलाव आया?



- प्र.15 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज़ का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं।
रोपाई क्षण की,

कटाई अनंतता की
लुटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।

अथवा

नम में पौंती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें,
कजरारे बादलों की छाई नम छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रखो।

वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें,
नम में पौंती-बँधी बगुलों की पाँखें।

- प्र.16 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

वैसे तप की राह रेगिस्तान को जाती होगी, मोक्ष की राह वह नहीं है। ठाठ देकर मन को बंद कर रखना जड़ता है। लोभ का यह जीतना नहीं है कि जहाँ लोभ होता है, यानी मन में, वहाँ नकार हो! यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार। आँख अपनी फोड़ डाली, तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा? और कौन कहता है कि आँख फूटने पर रूप देखना बंद हो जाएगा? क्या आँख बंद करके ही हम सपने नहीं लेते हैं?

अथवा

“सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है – नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी। पर जैसे मेरी नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी।”

- प्र.17 स्वयं को उपखण्ड अधिकारी रानी मानते हुए विकास अधिकारी को एक अर्द्ध सरकारी पत्र लिखिए, जिसमें आगामी चुनाव में चुनाव दल के लिए भौतिक संसाधनों की माकूल व्यवस्था का उल्लेख हो।

अथवा

प्रधानाचार्य रा.उ.मा.वि. पाली की ओर से एनसीसी कैडेड्स के लिए अल्पाहार उपलब्ध करवाने हेतु एक निविदा जारी कीजिए।

- प्र.18 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखें –

- (1) व्यक्ति के जीवन मूल्यों का महत्त्व
- (2) विज्ञान क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम
- (3) सोशल मीडिया बनाम नैतिक मूल्यों का विघटन
- (4) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व



RBSE CHAPTERWISE PYQ BOOKS

Most
Important
for Board Exam

2013 - 2026

CLASS 10 & 12



Chapterwise
Questions



Board Exam
Focused



Latest Syllabus
(2026-27)



Sectionwise
(Blue Print 2027)



With
Solutions

हिंदी

ENGLISH

गणित

विज्ञान

CHEMISTRY

सामाजिक विज्ञान

संस्कृत

1

PDF VERSION



₹59
Per Subject

FREE SAMPLE PDF

VISIT NOW



boardzone.in

2

HARD COPY



HARD COPY PRICE LIST

WHATSAPP NOW

9216765400

